लेखन कला और शहरी जीवन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» मेसोपोटामिया: परिचय और ऐतिहासिक संदर्भ

प्रश्न 1 (आसान). मेसोपोटामिया आजकल किस देश का हिस्सा है?

उत्तर – इराक गणराज्य

प्रश्न 2 (आसान). मेसोपोटामिया की सबसे पहली ज्ञात भाषा कौन सी थी?

उत्तर – सुमेरियन

प्रश्न 3 (मध्यम). मेसोपोटामिया को 'शहरी जीवन की शुरुआत' क्यों माना जाता है?

उत्तर – क्योंकि यहीं पर सबसे पहले बड़े और संगठित शहर बसने शुरू हुए थे, जहाँ लोग एक साथ मिलकर रहते थे और व्यापार करते थे।

प्रश्न 4 (कठिन). समय के साथ मेसोपोटामिया की भाषाओं में क्या परिवर्तन आया? किन्हीं दो भाषाओं के बारे में बताइए।

उत्तर – शुरुआत में 'सुमेरियन' मुख्य भाषा थी, लेकिन लगभग 2400 ई.पू. के बाद 'अक्कदी' भाषी लोग आए और अक्कदी ने सुमेरियन का स्थान ले लिया। बाद में 1400 ई.पू. से 'अरामाइक' भाषा का भी प्रवेश हुआ।

» पुरातत्वीय खोजें और बाइबिल का महत्व

प्रश्न 5 (आसान). मेसोपोटामिया में पुरातत्वीय खोजों की शुरुआत किस दशक में हुई?

उत्तर – 1840 के दशक में।

प्रश्न 6 (आसान). बाइबिल के किस हिस्से में मेसोपोटामिया का उल्लेख है?

उत्तर – ओल्ड टेस्टामेंट में।

प्रश्न 7 (मध्यम). 'शिमार' शब्द का क्या अर्थ है और बाइबिल में इसका संबंध किससे था?

उत्तर – 'शिमार' का अर्थ है 'ईंटों से बने शहरों की भूमि' और बाइबिल में इसका संबंध सुमेर से था।

प्रश्न 8 (कठिन). पुरातत्वीय तकनीकों के उन्नत होने के बाद मेसोपोटामिया की खोजों का ध्यान किस दिशा में बदला?

उत्तर – पुरातत्वीय तकनीकों के उन्नत होने के बाद, बाइबिल की कहानियों की सत्यता प्रमाणित करने का कार्य गौण हो गया और खोजों का ध्यान आम लोगों के जीवन और अन्य भिन्न-भिन्न पहलुओं को समझने पर केंद्रित हो गया।

» मेसोपोटामिया का भूगोल और कृषि

प्रश्न 9 (आसान). मेसोपोटामिया के किस भाग में सबसे पहले खेती शुरू हुई और वहाँ की भौगोलिक विशेषता क्या थी?

उत्तर – पूर्वोत्तर भाग में, जो हरे-भरे, ऊँचे-नीचे मैदान थे और जहाँ अच्छी वर्षा होती थी।

प्रश्न 10 (आसान). उत्तरी मेसोपोटामिया में आजीविका का मुख्य साधन क्या था और वहाँ कौन से घास के मैदान पाए जाते थे?

उत्तर – पशुपालन, और वहाँ 'स्टेपी घास के मैदान' थे।

प्रश्न 11 (मध्यम). दक्षिणी मेसोपोटामिया एक रेगिस्तानी क्षेत्र होने के बावजूद कृषि में समृद्ध क्यों था? मुख्य कारण बताओ।

उत्तर – मुख्य कारण फरात और दजला नदियाँ थीं, जो उत्तरी पहाड़ों से उपजाऊ बारीक मिट्टी लाती थीं और सिंचाई का साधन थीं, जिससे रेगिस्तान में भी अच्छी फसलें उगाई जा सकती थीं।

प्रश्न 12 (कठिन). मेसोपोटामिया के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों (पूर्वोत्तर, उत्तर, दक्षिण) की कृषि और आर्थिक गतिविधियों में क्या अंतर था और इसका कारण क्या था?
उत्तर – पूर्वोत्तर में अच्छी वर्षा के कारण सीधा कृषि होती थी। उत्तर में स्टेपी घास के मैदानों के कारण पशुपालन प्रमुख था। दक्षिण में रेगिस्तान होने के बावजूद, फरात और दजला नदियों से मिली उपजाऊ मिट्टी और सिंचाई ने यहाँ अत्यधिक कृषि-उत्पादन संभव बनाया, जिससे शहरीकरण और लेखन कला का विकास हुआ। अंतर का कारण प्रत्येक क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति और जल संसाधनों की उपलब्धता थी।

» शहरीकरण का महत्व और श्रम विभाजन

प्रश्न 13 (आसान). मेसोपोटामिया में शहर सिर्फ़ रहने की जगह क्यों नहीं थे?
उत्तर – क्योंकि वे 'खाद्य उत्पादन के अतिरिक्त अन्य आर्थिक गतिविधियों' जैसे व्यापार, उत्पादन और सेवाओं के केंद्र भी थे।

प्रश्न 14 (आसान). श्रम-विभाजन का क्या अर्थ है?
उत्तर – जब लोग अलग-अलग कामों में विशेषज्ञ हो जाते हैं और एक-दूसरे की सेवाओं पर निर्भर करते हैं, उसे श्रम-विभाजन कहते हैं।

प्रश्न 15 (मध्यम). मेसोपोटामिया के शहरों में लोगों को एक-दूसरे पर निर्भर क्यों रहना पड़ता था?
उत्तर – क्योंकि 'नगर के लोग आत्मनिर्भर नहीं रहते' थे। उन्हें अपनी सभी ज़रूरतें पूरी करने के लिए 'नगर या गाँव के अन्य लोगों द्वारा उत्पन्न वस्तुओं या दी जाने वाली सेवाओं के लिए उन पर आश्रित होना पड़ता था'।

प्रश्न 16 (कठिन). शहरी अर्थव्यवस्था को एक 'सामाजिक संगठन' की ज़रूरत क्यों होती थी?
उत्तर – शहरी अर्थव्यवस्था में ईंधन, धातु, पत्थर जैसी चीज़ें 'भिन्न-भिन्न जगहों से आती थीं', जिनके लिए 'संगठित व्यापार और भंडारण' ज़रूरी था। अनाज भी गाँवों से आता था, जिसके 'संग्रह तथा वितरण के लिए व्यवस्था करनी होती थी'। इन सभी 'क्रियाकलापों में तालमेल बैठाना' ज़रूरी था, जिसके लिए एक सामाजिक संगठन अनिवार्य था।

» शहरों में माल की आवाजाही और व्यापार

प्रश्न 17 (आसान). मेसोपोटामिया में किस संसाधन की कमी थी?
उत्तर – खनिज संसाधन

प्रश्न 18 (आसान). व्यापार के लिए सबसे सस्ता तरीका क्या था?
उत्तर – जलमार्ग

प्रश्न 19 (मध्यम). मेसोपोटामिया किन देशों से कच्चा माल मँगवाता था?
उत्तर – तुर्की, ईरान और खाड़ी-पार के देशों से

प्रश्न 20 (कठिन). मेसोपोटामिया के लोग निर्यात में किन वस्तुओं का उपयोग करते थे?
उत्तर – कपड़ा और कृषि-जन्य उत्पाद

» लेखन कला का विकास और प्रणाली

प्रश्न 21 (आसान). मेसोपोटामिया में सबसे पहली लेखन पट्टिकाएँ लगभग कितने ईसा पूर्व की मिली हैं?
उत्तर – लगभग 3200 ईसा पूर्व।

प्रश्न 22 (आसान). मेसोपोटामिया की लेखन प्रणाली को क्या कहा जाता था?
उत्तर – कीलाकार लिपि (Cuneiform)।

प्रश्न 23 (मध्यम). मेसोपोटामिया के लोग किस चीज़ पर लिखते थे और उस पर लिखने की क्या प्रक्रिया थी?
उत्तर – वे गीली चिकनी मिट्टी की पट्टिकाओं पर लिखते थे। लिपिक मिट्टी को गीला करके एक हाथ में पकड़ने लायक आकार देता था, सतह चिकनी करता था, फिर सरकंडे की नोक से कील जैसे निशान बनाता था। सूखने पर पट्टिकाएं मजबूत हो जाती थीं।

प्रश्न 24 (कठिन). शुरुआत में लेखन का उपयोग किन चीज़ों के लिए किया जाता था, और बाद में इसका उपयोग कैसे व्यापक हुआ?

उत्तर – शुरुआत में लेखन का उपयोग मुख्य रूप से 'लेन-देन का स्थायी हिसाब' रखने के लिए किया जाता था, जैसे मंदिरों में आने-जाने वाली वस्तुओं की सूची। बाद में, लगभग 2600 ईसा पूर्व के बाद, इसका उपयोग 'शब्द-कोश बनाने, भूमि के हस्तांतरण को कानूनी मान्यता प्रदान करने, राजाओं के कार्यों का वर्णन करने और कानून में परिवर्तन घोषित करने' जैसे अधिक व्यापक उद्देश्यों के लिए होने लगा।

» लेखन कला का प्रयोग और साक्षरता

प्रश्न 25 (आसान). मेसोपोटामिया में साक्षरता का स्तर कैसा था - उच्च या निम्न?

उत्तर – निम्न (बहुत कम लोग पढ़-लिख पाते थे)

प्रश्न 26 (आसान). लेखन कला की लिपि को 'complicated' क्यों कहा गया है?

उत्तर – क्योंकि इसमें सैकड़ों प्रतीक और संकेत थे।

प्रश्न 27 (मध्यम). लेखन कला के कोई दो प्रमुख उपयोग बताइए जो सूचना के आदान-प्रदान से जुड़े थे।

उत्तर – शाही घोषणाएँ और अधिकारी द्वारा राजा को पत्र लिखना।

प्रश्न 28 (कठिन). एनमर्वफर के महाकाव्य से हमें लेखन कला के किस पहलू के बारे में पता चलता है?

उत्तर – एनमर्वफर के महाकाव्य से पता चलता है कि लेखन कला का उपयोग सूचना इकट्ठा करने, दूर-दूर भेजने और शहरी संस्कृति की उत्कृष्टता को दर्शाने के लिए भी किया जाता था, खासकर व्यापार के संदर्भ में।

» दक्षिणी मेसोपोटामिया का शहरीकरण: मंदिर और राजा

प्रश्न 29 (आसान). दक्षिणी मेसोपोटामिया में सबसे पहला ज्ञात मंदिर किससे बना था?

उत्तर – सबसे पहला ज्ञात मंदिर कच्ची ईंटों का बना एक छोटा सा देवालय था।

प्रश्न 30 (आसान). मेसोपोटामिया के लोग 'उर' और 'इन्नाना' को किस रूप में पूजते थे?

उत्तर – 'उर' चंद्र देवता थे और 'इन्नाना' प्रेम व युद्ध की देवी थीं।

प्रश्न 31 (मध्यम). मेसोपोटामिया में मंदिरों की बाहरी दीवारों की क्या विशेषता थी जो उन्हें साधारण घरों से अलग करती थी?

उत्तर – मंदिरों की बाहरी दीवारें कुछ खास अंतरालों के बाद भीतर और बाहर की ओर मुड़ी हुई होती थीं, जो साधारण घरों की दीवारों में नहीं होता था।

प्रश्न 32 (कठिन). मेसोपोटामिया में कृषि संकट और ग्रामीण संघर्ष शहरीकरण की प्रक्रिया को कैसे प्रभावित करते थे?

उत्तर – कृषि संकट (जैसे बाढ़ या सूखे) और जमीन-पानी के लिए ग्रामीण संघर्षों के कारण कुछ मुखिया युद्ध जीत कर ताकतवर बनते थे। ये मुखिया फिर मंदिरों को भव्य बनाकर अपनी शक्ति को वैधता देते थे, और धीरे-धीरे स्थायी शासक (राजा) बन जाते थे, जिससे शहरी केंद्रों का विकास और मजबूत होता था।

» मोहरें: एक शहरी शिल्प-कृति और उनकी उपयोगिता

प्रश्न 33 (आसान). मेसोपोटामिया की मोहरें किस आकार की होती थीं?

उत्तर – बेलनाकार (Cylindrical)

प्रश्न 34 (आसान). मोहरों को किस चीज़ पर घुमाकर निशान बनाया जाता था?

उत्तर – गीली मिट्टी पर

प्रश्न 35 (मध्यम). मोहरों पर आमतौर पर क्या जानकारी अंकित होती थी?

उत्तर – मालिक का नाम, उसके इष्टदेव का नाम और उसकी अपनी पदीय स्थिति।

प्रश्न 36 (कठिन). मोहरों का उपयोग व्यापार और प्रशासनिक कार्यों में क्यों महत्वपूर्ण था?
उत्तर – मोहरें वस्तुओं की सुरक्षा (यह सुनिश्चित करने के लिए कि उन्हें खोला नहीं गया है) और पत्रों की प्रामाणिकता (यह प्रमाणित करने के लिए कि वे असली हैं और किसने भेजे हैं) दोनों के लिए महत्वपूर्ण थीं, जिससे व्यापार और प्रशासन में विश्वास और व्यवस्था बनी रहती थी।

» मेसोपोटामिया में शहरी जीवन और सामाजिक संरचना

प्रश्न 37 (आसान). मेसोपोटामिया में 'उच्च वर्ग' कौन थे?
उत्तर – उच्च वर्ग वे लोग थे जिनके पास ज़्यादा संपत्ति और सामाजिक प्रतिष्ठा थी।

प्रश्न 38 (आसान). मेसोपोटामिया में विवाह का एक महत्वपूर्ण कदम क्या था?
उत्तर – दूल्हे के परिवार द्वारा दुल्हन को उपहार देना।

प्रश्न 39 (मध्यम). मेसोपोटामिया में 'एकल परिवार' के आदर्श का क्या अर्थ था?
उत्तर – इसका अर्थ था कि ज़्यादातर परिवार में एक पुरुष, उसकी पत्नी और बच्चे होते थे, न कि बड़े संयुक्त परिवार।

प्रश्न 40 (कठिन). उर नगर के लोग किन दो अंधविश्वासों का पालन करते थे, और उनका क्या मतलब था?
उत्तर – वे मानते थे कि 'ऊँची दहलीज' समृद्धि लाती है और 'दूसरे घर की ओर खुलने वाला दरवाज़ा' अशुभ होता है।

» मारी: पशुचारक क्षेत्र में एक व्यापारिक नगर

प्रश्न 41 (आसान). मारी नगर कौन सी नदी के किनारे स्थित था?
उत्तर – फरात नदी

प्रश्न 42 (आसान). मारी में मुख्य रूप से कौन से दो तरह के लोग रहते थे?
उत्तर – किसान और पशुचारक

प्रश्न 43 (मध्यम). मारी के राजा किस समुदाय से संबंधित थे?
उत्तर – अमोराइट समुदाय

प्रश्न 44 (कठिन). मारी के अधिकारी व्यापारिक जहाजों पर क्या करते थे, और इससे शहर को क्या लाभ होता था?
उत्तर – वे जहाजों पर लदे माल की जाँच करते थे और आगे बढ़ने की अनुमति देने से पहले उस माल की कीमत का लगभग 10% शुल्क वसूल करते थे, जिससे शहर आर्थिक रूप से समृद्ध होता था।

» मेसोपोटामिया के नगरों की खुदाई के तरीके

प्रश्न 45 (आसान). आजकल मेसोपोटामिया की खुदाई में कौन सी चीज़ सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण हो गई है?
उत्तर – खुदाई की 'सटीकता और बारीकी' (exactitude and precision)।

प्रश्न 46 (आसान). पुरातत्वविद अब बड़े या छोटे इलाकों की खुदाई पर ज़्यादा ध्यान देते हैं?
उत्तर – अब वे 'छोटे कस्बों' और 'छोटे-छोटे इलाकों' पर ज़्यादा ध्यान देते हैं।

प्रश्न 47 (मध्यम). अबू सलाबिख में जली हुई मछली की हड्डियाँ मिलने से हमें क्या पता चलता है?
उत्तर – यह बताता है कि 'मछली उनके भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी' और 'जली हुई हड्डियां गलियों में फेंकी जाती थीं'।

प्रश्न 48 (कठिन). अबू सलाबिख में 'घर के आँगन के नीचे मिली सूअर की हड्डियों' से पुरातत्वविदों ने क्या निष्कर्ष निकाला?
उत्तर – उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि 'मृतक के परलोक जीवन के लिए उसके साथ सूअर का मांस रखा गया था', जो उनकी 'मृत्यु के बाद की मान्यताओं' को दर्शाता है।

» मेसोपोटामियाई संस्कृति में शहरों का महत्व

प्रश्न 49 (आसान). मेसोपोटामियाई लोग युद्ध में शहरों के नष्ट होने पर उन्हें कैसे याद करते थे?
उत्तर – अपने काव्यों के जरिए।

प्रश्न 50 (आसान). गिल्गेमिश महाकाव्य किस शहर से जुड़ा है?
उत्तर – उरुक शहर से।

प्रश्न 51 (मध्यम). गिल्गेमिश अमरत्व की खोज में क्यों निकला था?
उत्तर – अपने वीर मित्र की अचानक मृत्यु के कारण दुःखी होकर।

प्रश्न 52 (कठिन). गिल्गेमिश को अंततः सांत्वना कहाँ मिली और यह हमें शहरों के महत्व के बारे में क्या बताता है?
उत्तर – उसे अपने नगर उरुक की चहारदीवारी देखकर सांत्वना मिली। यह बताता है कि शहर उनके लिए सिर्फ भौतिक संरचना नहीं थे, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और पहचान का स्रोत थे।

» लेखन कला की देन: काल-गणना और गणित

प्रश्न 53 (आसान). मेसोपोटामियाई लोगों ने एक दिन को कितने घंटों में बांटा था?
उत्तर – 24 घंटों में।

प्रश्न 54 (आसान). उन्होंने एक घंटे को कितने मिनट में बांटा था?
उत्तर – 60 मिनट में।

प्रश्न 55 (मध्यम). मेसोपोटामियाई काल-गणना की दो मुख्य देन क्या हैं जो हम आज भी इस्तेमाल करते हैं?
उत्तर – वर्ष को 12 महीनों में और दिन को 24 घंटों में बांटना।

प्रश्न 56 (कठिन). मेसोपोटामियाई लोगों की गणितीय परंपरा क्यों महत्वपूर्ण मानी जाती है?
उत्तर – क्योंकि उन्होंने गुणा, भाग, वर्गमूल और चक्रवृद्धि ब्याज की सारणियां विकसित कीं, जो आधुनिक गणित का आधार बनीं और उन्हें विज्ञान को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने में मदद मिली।

» प्राचीन पुस्तकालय और पुरातत्वविदों का योगदान

प्रश्न 57 (आसान). असुरबनिपाल ने अपना पुस्तकालय किस शहर में बनवाया था?
उत्तर – निनवै (Nineveh)

प्रश्न 58 (आसान). नैबोनिडस को हम क्या कह सकते हैं, एक 'राजा' या एक 'पुरातत्वविद'?
उत्तर – वह राजा भी था और एक आरंभिक पुरातत्वविद भी।

प्रश्न 59 (मध्यम). असुरबनिपाल के पुस्तकालय में किस प्रकार की सामग्री मुख्य रूप से संग्रहित थी?
उत्तर – मुख्य रूप से मिट्टी की पट्टिकाएँ, जिनमें इतिहास, महाकाव्य, शकुन साहित्य, ज्योतिष विद्या, स्तुतियाँ और कविताएँ शामिल थीं।

प्रश्न 60 (कठिन). नैबोनिडस ने 'एक बहुत पुराने राजा का पट्टलेख' (stele of a very old king) मिलने पर क्या किया, और यह उनके किस गुण को दर्शाता है?
उत्तर – उसने 'पट्टलेख' पर बनी 'महिला पुरोहित की आकृति' (figure of the priestess) को ध्यान से देखा, उसके आभूषणों और वेशभूषा का अध्ययन किया, और फिर अपनी बेटी को वैसी ही वेशभूषा में तैयार कर 'महिला पुरोहित' के रूप में स्थापित किया। यह उनके 'इतिहास के प्रति सम्मान' (respect for history) और 'पुरातन परंपराओं को पुनर्जीवित करने' (reviving ancient traditions) की इच्छा को दर्शाता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मेसोपोटामिया की भौगोलिक स्थिति और उसकी दो प्रारंभिक भाषाओं का नाम बताइए।

› पहला कदम: मेसोपोटामिया की भौगोलिक स्थिति पहचानें। यह 'फरात और दज़ला नदियों के बीच' स्थित था।

› दूसरा कदम: मेसोपोटामिया में बोली जाने वाली प्रारंभिक भाषाओं की पहचान करें। किताब में 'सुमेरियन' और 'अक्कदी' का उल्लेख है।

उत्तर – मेसोपोटामिया फरात और दज़ला नदियों के बीच स्थित था, और इसकी दो प्रारंभिक भाषाएँ सुमेरियन तथा अक्कदी थीं।

उदाहरण 2. मेसोपोटामिया में पुरातत्वीय खोजें कब शुरू हुईं और यूरोपवासियों के लिए बाइबिल का इसमें क्या महत्व था?

› पहला चरण: पहचान करें कि मेसोपोटामिया में 'पुरातत्वीय खोजें' कब शुरू हुईं।

› दूसरा चरण: बाइबिल के किस हिस्से में मेसोपोटामिया का उल्लेख था।

› तीसरा चरण: यूरोपवासियों ने बाइबिल के उल्लेख को कैसे देखा और उनका क्या लक्ष्य था।

उत्तर – मेसोपोटामिया में पुरातत्वीय खोजें 1840 के दशक में शुरू हुईं। यूरोपवासियों के लिए बाइबिल के 'ओल्ड टेस्टामेंट' में मेसोपोटामिया का उल्लेख बहुत महत्वपूर्ण था, क्योंकि वे मानते थे कि यह उनके पूर्वजों की भूमि है और वे बाइबिल की कहानियों की सत्यता को इन खोजों के माध्यम से प्रमाणित करना चाहते थे।

उदाहरण 3. मेसोपोटामिया के दक्षिणी भाग में शहर और लेखन कला का विकास क्यों हुआ, जबकि वह एक रेगिस्तानी क्षेत्र था?

› पहला कदम: हमें समझना होगा कि दक्षिणी मेसोपोटामिया एक 'रेगिस्तान' था, लेकिन 'फरात और दजला' नदियाँ इसके पास से बहती थीं।

› दूसरा कदम: ये नदियाँ उत्तरी पहाड़ों से 'उपजाऊ बारीक मिट्टी' बहाकर लाती थीं।

› तीसरा कदम: जब इन नदियों में बाढ़ आती थी या उनके पानी को 'सिंचाई के लिए' खेतों तक ले जाया जाता था, तो यह उपजाऊ मिट्टी वहाँ जमा हो जाती थी।

› चौथा कदम: इस उपजाऊ मिट्टी और सिंचाई के कारण, 'रेगिस्तान' होने के बावजूद 'खेती बहुत अच्छी' होती थी, खासकर 'गेहूँ, जौ, मटर या मसूर' की।

› पांचवां कदम: इस 'कृषि-समृद्धि' ने इतनी आबादी का भरण-पोषण किया कि लोग एक जगह 'स्थायी रूप से बसने' लगे, जिससे 'शहरों का विकास' हुआ और धीरे-धीरे 'लेखन-प्रणाली' भी विकसित हुई ताकि हिसाब-किताब रखा जा सके।

उत्तर – मेसोपोटामिया का दक्षिणी भाग एक रेगिस्तान था, पर फरात और दजला नदियों द्वारा लाई गई उपजाऊ मिट्टी और सिंचाई की व्यवस्था ने यहाँ अत्यधिक कृषि-उत्पादन संभव बनाया। इस कृषि-समृद्धि ने बड़ी आबादी को सहारा दिया, जिससे शहरों का विकास हुआ और हिसाब-किताब रखने के लिए लेखन कला की शुरुआत हुई।

उदाहरण 4. मेसोपोटामिया में शहरीकरण के महत्व और श्रम विभाजन को एक उदाहरण से समझाइए।

› शहरों का महत्व: यह केवल 'बड़ी संख्या में लोगों के रहने के स्थान नहीं होते थे' बल्कि व्यापार, उत्पादन और सेवाओं का केंद्र होते थे।

› श्रम-विभाजन: शहर के लोग 'आत्मनिर्भर नहीं रहते', बल्कि वे 'नगर या गाँव के अन्य लोगों द्वारा उत्पन्न वस्तुओं या दी जाने वाली सेवाओं के लिए उन पर आश्रित होना पड़ता है'।

› उदाहरण: 'एक पत्थर की मुद्रा बनाने वाले को पत्थर उकेरने के लिए काँसे के औज़ारों की जरूरत पड़ती है'। वह स्वयं यह औजार नहीं बना सकता।

› विशेषज्ञता: 'उसकी विशेषज्ञता तो सिर्फ नक्काशी यानी पत्थर उकेरने तक ही सीमित होती है'।

› निर्भरता: 'काँसे के औज़ार बनाने वाला भी धातु-ताँबा या राँगा लाने के लिए खुद बाहर नहीं जाता'। उसे ईंधन के लिए लकड़ी के कोयले की जरूरत होती है।

› निष्कर्ष: इस तरह, 'श्रम-विभाजन शहरी-जीवन की विशेषता है' जहाँ हर कोई अपने खास काम में माहिर होता है और दूसरे पर निर्भर करता है।

उत्तर – शहरीकरण ने मेसोपोटामिया में विशेष आर्थिक गतिविधियों जैसे व्यापार और उत्पादन को बढ़ावा दिया, जिससे लोग आत्मनिर्भर न होकर एक-दूसरे पर निर्भर हो गए। 'श्रम-विभाजन' के कारण, मुद्रा बनाने वाला, औज़ार बनाने वाला, और धातु लाने वाला, हर कोई अपने विशिष्ट काम में लगा रहता था, जो शहरी अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक था। इस प्रकार, शहर सिर्फ लोगों के रहने की जगह नहीं, बल्कि एक जटिल आर्थिक और सामाजिक संगठन थे।

उदाहरण 5. मेसोपोटामिया को कौन-कौन से कच्चे माल की ज़रूरत थी और वो इसे कहाँ से मँगवाते थे?

› पहला कदम है ये समझना कि मेसोपोटामिया में किस चीज़ की कमी थी। हमने अभी पढ़ा कि 'दक्षिण के अधिकांश भागों में औज़ार, मोहरें और आभूषण बनाने के लिए पत्थरों की कमी थी'। साथ ही, 'लकड़ी... और औज़ार, पात्र या गहने बनाने के लिए कोई धातु वहाँ उपलब्ध नहीं थी'।

› अब दूसरा कदम है ये जानना कि वे इस कमी को कैसे पूरा करते थे। 'प्राचीन काल के मेसोपोटामियाई लोग संभवतः लकड़ी, ताँबा, राँगा, चाँदी, सोना, सीपी और विभिन्न प्रकार के पत्थरों को तुर्की और ईरान अथवा खाड़ी-पार के देशों से मंगाते थे'।

› तीसरा कदम ये भी समझना है कि वे बदले में क्या देते थे। 'जिसके लिए वे अपना कपड़ा और कृषि-जन्य उत्पाद काफी मात्रा में उन्हें निर्यात करते थे'।

› अंत में, 'परिवहन का सबसे सस्ता तरीका सर्वत्र जलमार्ग ही होता है'। मेसोपोटामिया की 'नहरें और प्राकृतिक जलधाराएँ' इस व्यापार में बहुत मदद करती थीं।

उत्तर – मेसोपोटामिया को लकड़ी, तांबा, राँगा (टिन), चांदी, सोना, सीपी और अलग-अलग तरह के पत्थरों की ज़रूरत थी। वे इन्हें तुर्की, ईरान और खाड़ी-पार के देशों से मँगवाते थे और बदले में अपने कृषि उत्पाद और कपड़ा निर्यात करते थे। इस व्यापार के लिए जलमार्ग सबसे महत्वपूर्ण थे।

उदाहरण 6. मेसोपोटामिया में लेखन कला की शुरुआत क्यों हुई और किस प्रकार की चीज़ों पर लिखा जाता था?

› देखो बच्चों, 'The first Mesopotamian tablets were found around 3200 BCE' – मेसोपोटामिया में सबसे पहली पट्टिकाएं लगभग 3200 ईसा पूर्व में मिली थीं।

› इन पट्टिकाओं पर 'pictures like signs and numbers' थे, यानी चित्रों जैसे निशान और संख्याएं बनी होती थीं।

› खासकर, 'about 5000 lists of oxen, fish, and bread' मिली हैं, जो बताती हैं कि 'these were lists of goods that came into and went out of the temples' – यानी मंदिर में आने-जाने वाली वस्तुओं का हिसाब रखा जाता था।

› तो 'writing began when society needed to keep permanent records of its transactions' – मतलब, जब शहरी जीवन में लेन-देन बहुत बढ़ गए और उन्हें याद रखना मुश्किल हो गया, तब एक स्थायी हिसाब रखने के लिए लेखन की ज़रूरत पड़ी।

› वे लोग 'wet clay' यानी गीली चिकनी मिट्टी की पट्टिकाओं पर लिखते थे। लिपिक 'a scribe would wet the clay, knead and pat it into a size he could hold comfortably in one hand' – मतलब गीली मट्टिी को हाथ में पकड़ने लायक आकार में ढालता था।

› फिर 'he would carefully smoothen its surfaces' – उसकी सतहों को चिकना करता था और 'with the sharp end of a reed, he would press wedge-shaped signs' – एक सरकंडे की तीखी नोक से उस गीली मट्टिी पर कील जैसे आकार के निशान बनाता था।

› बाद में, 'when these tablets dried in the sun, they became hard' – जब ये पट्टिकाएं धूप में सूख जाती थीं, तो मिट्टी के बर्तनों जैसी मजबूत हो जाती थीं।

› तो हम कह सकते हैं कि लेखन की शुरुआत बड़े पैमाने पर होने वाले लेन-देन का हिसाब रखने के लिए हुई, और यह चिकनी मिट्टी की पट्टिकाओं पर 'wedge-shaped signs' यानी कीलाकार लिपि में लिखा जाता था।

उत्तर – लेखन कला की शुरुआत मेसोपोटामिया में शहरी जीवन के जटिल लेन-देन का स्थायी हिसाब रखने के लिए हुई। वे चिकनी मिट्टी की पट्टिकाओं पर 'कीलाकार लिपि' में लिखते थे, जो पहले चित्र संकेतों जैसी थी और बाद में अक्षरों में बदल गई।

उदाहरण 7. मेसोपोटामिया में साक्षरता का स्तर सीमित क्यों था और लेखन कला के प्रमुख उपयोग क्या थे?

› पहला बिंदु है साक्षरता का सीमित स्तर। हमें समझना होगा कि 'the number of symbols and signs was in hundreds, and these were more complicated.' यानी संकेत और प्रतीकों की संख्या सैकड़ों में थी, और ये बहुत पेचीदा थे, जिन्हें याद रखना और लिखना सबके लिए आसान नहीं था।

› दूसरा बिंदु है लेखन कला के उपयोग। इसमें हम देखेंगे कि 'most of the writing reflected the way of speaking.' लिखावट अक्सर मौखिक संवाद का रूप लेती थी, यानी बोलकर पढ़कर सुनाई जाती थी।

› तीसरा उपयोग 'information gathering and sending over long distances.' लेखन सूचनाओं को इकट्ठा करने

और दूर-दूर तक भेजने का एक महत्वपूर्ण साधन था।

› चौथा उपयोग 'royal proclamations and official correspondence.' राजा अपनी घोषणाएं लिखवाते थे और अधिकारी एक-दूसरे को पत्र भी लिखते थे, जिससे प्रशासन चलता था।

› पांचवां उपयोग 'promoting the excellence of Mesopotamian urban culture' लेखन कला का इस्तेमाल शहरी संस्कृति और व्यापार की उत्कृष्टता को दर्शाने के लिए भी होता था, जैसा कि एनमर्वफर के महाकाव्य में बताया गया है, जहाँ व्यापारिक यात्राओं का वर्णन है।

उत्तर – मेसोपोटामिया में साक्षरता का स्तर सीमित था क्योंकि लिपि में सैकड़ों जटिल प्रतीक थे। लेखन कला का उपयोग सूचना के आदान-प्रदान, शाही घोषणाओं, प्रशासन चलाने, लंबी दूरी पर संदेश भेजने, काव्य-कहानियों को प्रसारित करने और शहरी संस्कृति की उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए किया जाता था, जहाँ बोलकर सुनाना एक आम तरीका था।

उदाहरण 8. दक्षिणी मेसोपोटामिया में शहरों के विकास में मंदिरों की क्या भूमिका थी?

› शुरुआत में, मंदिर छोटे देवालय थे जो कच्ची ईंटों से बने थे और विभिन्न देवी-देवताओं का निवास स्थान थे।

› धीरे-धीरे ये मंदिर बड़े होते गए और केवल धार्मिक केंद्र नहीं रहे, बल्कि आर्थिक गतिविधियां भी यहीं से संचालित होने लगीं।

› मंदिरों ने 'घर-परिवार से ऊपर के स्तर के व्यवस्थापक' के रूप में काम किया, यानी वे व्यापारियों के नियोक्ता, अन्न, पशुओं, रोटी आदि के वितरण और लिखित अभिलेखों के पालक बन गए।

› युद्ध विजेता मुखियाओं ने मंदिरों को कीमती भेंटें अर्पित करके उनकी सुंदरता बढ़ाई, जिससे वे समुदाय के केंद्र बने रहे और राजाओं को भी अपनी शक्ति स्थापित करने में मदद मिली।

उत्तर – दक्षिणी मेसोपोटामिया में मंदिर शहरों के विकास के केंद्र-बिंदु थे। वे धार्मिक कार्यों के साथ-साथ आर्थिक और प्रशासनिक गतिविधियों का भी प्रबंधन करते थे, जिससे वे पूरे समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था बन गए और शहरीकरण को बढ़ावा मिला।

उदाहरण 9. मेसोपोटामिया की बेलनाकार मोहरों की बनावट और उनके दो मुख्य उपयोग बताओ।

› पहले मोहरों की बनावट समझो: ये 'पत्थर की बनी बेलनाकार' होती थीं और 'बीच में आर-पार छिदी' होती थीं।

› फिर सोचो ये काम कैसे करती थीं: इनमें 'तीली डालकर गीली मिट्टी पर घुमाते' थे, जिससे 'अंकित चित्र या लिखावट छप' जाती थी।

› अब उपयोग पर आओ: पहला उपयोग था 'व्यापारिक वस्तुओं को सुरक्षित' करना, जैसे गठरियों या बर्तनों पर लगाकर।

› दूसरा उपयोग था 'पत्रों की प्रामाणिकता' सुनिश्चित करना, ताकि पता चले कि चिट्ठी असली है और सही व्यक्ति ने भेजी है।

उत्तर – मेसोपोटामिया की मोहरें पत्थर की बेलनाकार होती थीं और बीच में छिदी होती थीं। इन्हें तीली लगाकर गीली मिट्टी पर घुमाते थे जिससे उस पर अंकित चित्र या लिखावट छप जाती थी। इनके दो मुख्य उपयोग थे: व्यापारिक वस्तुओं को सुरक्षित करना और पत्रों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करना।

उदाहरण 10. मेसोपोटामिया के 'उर नगर' की आवासीय व्यवस्था और 'अंधविश्वासों' का वर्णन कीजिए।

› पहले हम 'उर नगर' की आवासीय व्यवस्था पर ध्यान देंगे। उत्खनन से पता चला है कि यहाँ 'तंग गलियाँ' और 'टेढ़े-मेढ़े रास्ते' थे, जिससे यह अनियोजित शहर लगता था।

› लोग अक्सर 'कचरा अपने घरों से निकालकर सड़कों पर ही फेंक देते थे', जिससे समय के साथ 'सड़कें ऊँची' होती गईं और घरों के दरवाजे ऊँचे करने पड़े।

› फिर हम 'अंधविश्वासों' को समझेंगे। 'उर नगर' के लोग कई तरह के अंधविश्वासों में विश्वास रखते थे।

› उदाहरण के लिए, अगर 'घर की दहलीज ऊँची उठी' हुई होती थी, तो 'उसे धन और समृद्धि लाने वाला माना' जाता था।

› और अगर 'घर का मुख्य दरवाज़ा दूसरे घर की ओर खुलता' था, तो 'उसे अशुभ समझा' जाता था, जिससे परिवार में कलह हो सकती है।

उत्तर – उर नगर में तंग और टेढ़ी-मेढ़ी गलियाँ थीं, जहाँ कचरा सड़कों पर फेंका जाता था। लोग अंधविश्वासी थे, जैसे ऊँची दहलीज को समृद्धि का प्रतीक मानते थे, और दूसरे घर की ओर खुलते दरवाजे को अशुभ।

उदाहरण 11. मारी नगर फरात नदी के ऊपरी हिस्से में क्यों विकसित हुआ, जबकि दक्षिण में उपजाऊ मैदान थे?

› सबसे पहले, हमें समझना होगा कि 'फरात नदी के ऊपरी हिस्से' का क्या मतलब है। इसका मतलब है कि यह शहर नदी के किनारे ऐसे इलाके में था जहाँ सिर्फ खेती नहीं होती थी, बल्कि पशुपालन के लिए भी बहुत जगह थी।

› अब, पाठ में लिखा है कि 'मारी नगर दक्षिण के उस मैदानी भाग में स्थित नहीं है जहाँ खेती की पैदावार भरपूर होती थी, बल्कि वह फरात नदी की ऊर्ध्वधारा पर स्थित है।' इसका मतलब है कि मारी का मुख्य कारण खेती नहीं था, बल्कि कुछ और था।

› तो, दूसरा कारण था कि यह 'पशुचारक क्षेत्र में एक व्यापारिक नगर' था। पशुपालकों को अनाज और औजार चाहिए होते थे, और किसान को खाद और पशुओं से मिलने वाले उत्पाद।

› और सबसे ज़रूरी, 'मारी नगर एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यापारिक स्थल पर स्थित था।' इसका मतलब है कि यह शहर व्यापार के रास्ते में पड़ता था। यहाँ से लकड़ी, ताँबा, राँगा, तेल और शराब जैसी चीज़ें नावों से होकर जाती थीं। मारी के अधिकारी इन जहाजों पर 10% का शुल्क भी लेते थे, जिससे शहर को बहुत पैसा मिलता था।

› तो, इसका कारण यह था कि यह पशुपालन वाले क्षेत्र में व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था, न कि केवल खेती के लिए।

उत्तर – मारी नगर फरात नदी के ऊपरी हिस्से में इसलिए विकसित हुआ क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित था, जहाँ से लकड़ी, धातु, और अन्य सामान नावों द्वारा दक्षिण और उत्तरी क्षेत्रों के बीच लाया-ले जाया जाता था। यह एक ऐसे क्षेत्र में था जहाँ पशुपालन भी खूब होता था, जिससे किसानों और पशुपालकों के बीच व्यापारिक आदान-प्रदान भी होता था।

उदाहरण 12. मेसोपोटामिया के 'अबू सलाबिख' नामक छोटे कस्बे की खुदाई से पुरातत्वविदों ने क्या-क्या महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की?

› पहला कदम: 'Its upper surfaces were first scraped away,' मतलब, सबसे पहले टीले की ऊपरी सतह को खरोंचकर हटाया गया। इससे उन्हें ज़मीन के नीचे की बनावट का अंदाज़ा हुआ।

› दूसरा कदम: 'The earth below was still found to be somewhat damp,' यानी नीचे की मिट्टी थोड़ी नम मिली, जिससे उन्हें मिट्टी के अलग-अलग रंगों, बनावट और ईंटों की दीवारों की स्थिति का पता चला।

› तीसरा कदम: 'They sifted tons of earth,' उन्होंने 'पौधों और पशुओं के अवशेषों' को पाने के लिए ढेर सारी मिट्टी को छाना। इससे उन्हें 'many species of plants and animals' और 'large quantities of burnt fish bones' मिले, यानी पौधों और जानवरों की कई प्रजातियाँ और जली हुई मछलियों की हड्डियाँ मिलीं।

› चौथा कदम: 'They found seeds and fibres of plants,' उन्हें 'गोबर के उपलों के जले हुए ईंधन में से' पौधों के बीज और रेशे भी मिले। 'This indicated the presence of a kitchen here,' जिससे पता चला कि वहाँ रसोईघर रहा होगा।

› पांचवां कदम: 'The teeth of young pigs were found in the streets,' गलियों में छोटे सूअरों के दाँत मिले, जिससे 'archaeologists concluded that, like any other Mesopotamian city, pigs roamed freely here,' यानी पुरातत्वविदों ने अंदाज़ा लगाया कि यहाँ भी सूअर खुले घूमते थे।

› छठा कदम: 'In one house, under the courtyard, where a dead person was buried, some pig bones were found,' एक घर में आँगन के नीचे, जहाँ किसी मृत व्यक्ति को दफनाया गया था, सूअर की हड्डियाँ मिलीं। 'This suggests that some pork was kept for the person's afterlife meal,' जिससे लगता है कि मरने के बाद भोजन के लिए कुछ सूअर का मांस रखा गया था।

› सातवां कदम: 'Archaeologists meticulously studied the room floors,' पुरातत्वविदों ने कमरों के फर्श का बहुत बारीकी से अध्ययन किया। 'To understand which rooms had roofs of poplar logs, palm leaves, and thatch, and which rooms were open to the sky,' यह जानने के लिए कि किस कमरे की छत पॉपलर की लकड़ी, खजूर के पत्तों और घास-फूस से बनी थी, और कौन से कमरे बिना छत के खुले थे।

उत्तर – खुदाई से अबू सलाबिख के लोगों की दैनिक जीवनशैली, उनके खान-पान, जानवरों का पालन, रसोईघरों की स्थिति, घरों की बनावट, और यहाँ तक कि दफनाने की प्रथाओं तक की जानकारी मिली, जिससे तत्कालीन समाज की गहरी समझ विकसित हुई।

उदाहरण 13. गिल्गेमिश महाकाव्य में उरुक शहर के प्रति गिल्गेमिश का लगाव हमें मेसोपोटामियाई संस्कृति में शहरों के महत्व के बारे में क्या बताता है?

› पहला, गिल्गेमिश ने अमरत्व की खोज की, लेकिन वह विफल रहा और वापस उरुक लौटा।

› दूसरा, वापस आकर उसने अपने शहर उरुक की 'विशाल प्राचीर' देखी, जो उसकी 'प्यारी प्रजा ने बनाया था'।

› तीसरा, उसे अपनी यात्रा की असफलता के बाद भी 'अपने नगर में ही सांत्वना' मिली, यानी शहर उसके लिए सिर्फ एक जगह नहीं था, बल्कि भावनात्मक सहारा था।

› चौथा, यह दर्शाता है कि शहरों का महत्व केवल आर्थिक या राजनीतिक नहीं था, बल्कि गहरे 'सामाजिक और भावनात्मक' जुड़ाव का प्रतीक था।

उत्तर – गिल्गेमिश का अपने शहर उरुक से लगाव दिखाता है कि मेसोपोटामियाई लोगों के लिए शहर उनकी पहचान, गौरव और भावनात्मक जुड़ाव का केंद्र थे, जहाँ उन्हें सुरक्षा और सांत्वना मिलती थी, भले ही वे कितनी भी दूर चले जाएँ।

उदाहरण 14. मेसोपोटामिया के गणितज्ञों ने 2 का वर्गमूल $1 + 24/60 + 51/60^2 + 10/60^3$ बताया था। इसे दशमलव में बदलकर बताओ।

› सबसे पहले, 24/60 को दशमलव में बदलेंगे: 24 ÷ 60 = 0.4

› फिर, $51/60^2$ को हल करेंगे: 51 / (60 × 60) = 51 / 3600 = 0.0141666...

› आखिर में, $10/60^3$ को हल करेंगे: 10 / (60 × 60 × 60) = 10 / 216000 = 0.00004629...

› अब इन सबको जोड़ देंगे: 1 + 0.4 + 0.0141666... + 0.00004629... = 1.41421289...

उत्तर – 1.41421289 (लगभग)

उदाहरण 15. मेसोपोटामिया के शासक असुरबनिपाल ने अपने पुस्तकालय में किस प्रकार की सामग्री इकट्ठी की थी और क्यों?

› पहला कदम, 'असुरबनिपाल' कौन था, यह समझना। वह असीरियाई साम्राज्य का आखिरी महान राजा था।

› दूसरा कदम, उसने 'निनवै' (Nineveh) में एक विशाल 'पुस्तकालय' (library) बनवाया।

› तीसरा कदम, उसने अपने 'लिपिकों' (scribes) को 'पुरानी पट्टिकाएँ' (old tablets) खोजने और उनकी 'नकलें' (copies) बनाने के लिए भेजा, खासकर दक्षिण के शहरों में, क्योंकि वहाँ लेखन-कला का बहुत पुराना इतिहास था।

› चौथा कदम, इस पुस्तकालय में उसने 'इतिहास, महाकाव्य, शकुन साहित्य, ज्योतिष विद्या, स्तुतियों और कविताओं' की 'पट्टिकाएँ' (tablets) इकट्ठी कीं।

› पाँचवाँ कदम, उसने ऐसा इसलिए किया ताकि 'देवताओं के बुद्धि-विवेक' (wisdom of the gods) को सुरक्षित रखा जा सके और 'भविष्य में उपयोग के लिए' (for future use) ये ज्ञान उपलब्ध रहे। वह 'अपने जीवन के लिए, अपनी आत्मा के कल्याण के लिए और अपने शाही सिंहासन की नींव को मजबूत बनाए रखने के लिए' (for his life, for the well-being of his soul, and for the firm foundation of his royal throne) ऐसा करना चाहता था।

उत्तर – असुरबनिपाल ने निनवै में एक विशाल पुस्तकालय स्थापित किया था, जिसमें उसने इतिहास, महाकाव्य, ज्योतिष विद्या, स्तुतियों और कविताओं से संबंधित लगभग 30,000 मिट्टी की पट्टिकाएँ इकट्ठी कीं। उसने यह ज्ञान भविष्य की पीढ़ियों के लिए और अपनी सत्ता व आत्मा के कल्याण के लिए संरक्षित किया।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• मेसोपोटामिया की भौगोलिक स्थिति और उसकी भाषाओं पर अक्सर छोटे प्रश्न आते हैं, खासकर मानचित्र (map work) में स्थान पहचानने को आ सकता है।

• यह प्रश्न सीधे बोर्ड परीक्षा में 'मेसोपोटामिया की खोजों में बाइबिल का क्या महत्व था?' या 'पुरातत्वीय खोजों के बदलते उद्देश्य' के रूप में आ सकता है, इसलिए इसे ध्यान से समझें।

• शहरीकरण के महत्व, श्रम-विभाजन और सामाजिक संगठन पर अक्सर सीधे प्रश्न आते हैं। उदाहरणों के साथ इसे समझाना बहुत महत्वपूर्ण है।

• यह प्रश्न कई बार आता है कि मेसोपोटामिया में व्यापार क्यों ज़रूरी था और परिवहन का कौन सा साधन सबसे महत्वपूर्ण था। 'जलमार्ग' शब्द को याद रखना, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! 'लेखन कला के विकास' और 'कीलाकार लिपि की विशेषताओं' पर सीधे प्रश्न आते हैं। खास तौर पर 'शुरुआती उपयोग' और 'बाद के व्यापक उपयोग' को अंतर के साथ याद रखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें मंदिरों की बदलती भूमिका और राजाओं के उदय के बीच का संबंध अक्सर पूछा जाता है। इसे ध्यान से समझें!

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। मोहरों की बनावट, उनके उपयोग और वे मेसोपोटामिया के शहरी जीवन के बारे में क्या बताती हैं, इन सभी बिंदुओं पर ध्यान दें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में 'मेसोपोटामिया की सामाजिक संरचना' या 'उर नगर की विशेषताएँ' पर सीधे प्रश्न के रूप में आ सकता है, इसलिए इसे ध्यान से पढ़ना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर मारी नगर की भौगोलिक स्थिति, उसके व्यापारिक महत्व और किसान-पशुचारकों के बीच के संबंधों पर प्रश्न आते हैं। इसे अच्छे से समझना।

• अबू सलाबिख जैसे छोटे कस्बों के खुदाई के तरीके और उनसे मिली जानकारियों के उदाहरण को ध्यान से समझना, क्योंकि यह 'आधुनिक पुरातत्व तकनीकों' को स्पष्ट करता है, जो परीक्षा में आ सकता है।

• गिल्गेमिश महाकाव्य और उरुक शहर का उदाहरण शहरों के महत्व को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण है; इसे हमेशा याद रखें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'मेसोपोटामिया की दुनिया की सबसे बड़ी देन क्या थी?' या 'मेसोपोटामियाई लोगों की काल-गणना और गणितीय उपलब्धियों का वर्णन करें' जैसे प्रश्नों के रूप में आ सकता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› मेसोपोटामिया: इराक, फरात-दज़ला, शहरी जीवन, सुमेरियन-अक्कदी-अरामाइक.

› मेसोपोटामिया खोजें 1840s; बाइबिल (ओल्ड टेस्टामेंट) में उल्लेख; तकनीकें उन्नत; आम जीवन पर ध्यान।

› शहरें व्यापार, उत्पादन, सेवाओं के केंद्र; श्रम-विभाजन और सामाजिक संगठन का आधार।

› खनिज संसाधनों की कमी ने मेसोपोटामिया में दूर-दराज का व्यापार बढ़ाया, जलमार्ग मुख्य थे।

› लेखन: 3200 ई.पू. मिट्टी पट्टिकाएँ, कीलाकार लिपि, हिसाब से कानून तक।

› मंदिर-शहर, कृषि-संघर्ष, युद्ध-नेता से राजा का उदय।

› मेसोपोटामियाई बेलनाकार मोहरें: व्यापार, सुरक्षा, प्रामाणिकता की प्रतीक, शिल्प-कृति।

› उच्च वर्ग, एकल परिवार, विवाह प्रथाएँ, उर नगर के अंधविश्वास।

› मारी: फरात नदी पर शाही/व्यापारिक केंद्र, किसान-पशुचारक संबंध, अमोराइट शासक।

› आज की खुदाई ज़्यादा कुशल, सटीक; छोटे कस्बों पर फोकस, हर परत महत्वपूर्ण।

› मेसोपोटामिया में शहर सामाजिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक महत्व के केंद्र थे।

› मेसोपोटामिया ने काल-गणना (घंटे, मिनट) और उन्नत गणित (गुणा, वर्गमूल) की देन दी।